UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

JRF का जलवा

UNIT=5

व्याकरण एवं भाषाविज्ञान सामान्य परिचय

Daily = 6 pm

Class = 85

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

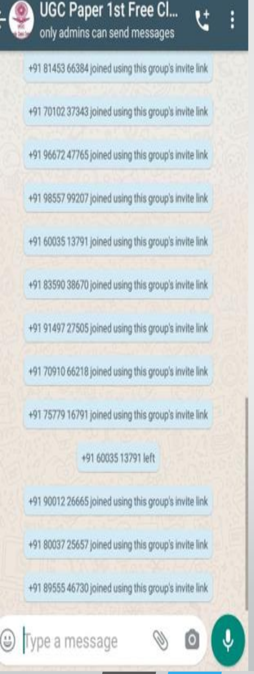
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 60035 13791 left
Type a message

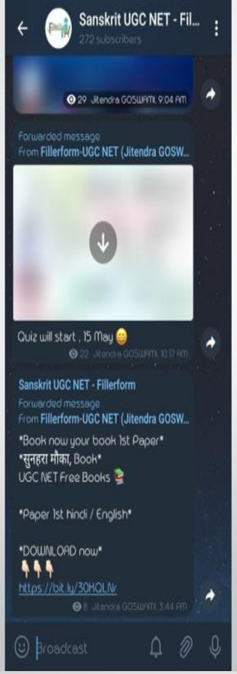
Sanskrit UGC NET - Fil...
272 subscribers
Quiz will start , 15 May
Sanskrit UGC NET - Fillerform
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
https://bit.ly/3OHQLfV

SANSKRIT BY NIDHU
25 members
Fillar From
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
https://bit.ly/3OHQLfV
Maya Jatwa
Very good

Filler Form
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

NET Free Class
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

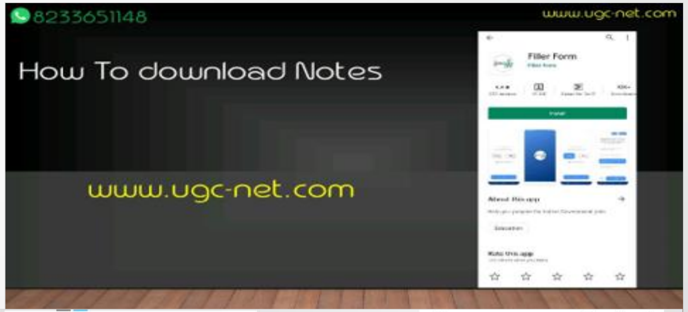
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com

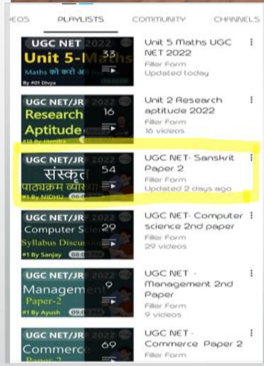
UGC NET- Sanskrit Paper 2
UGC NET- Computer science 2nd paper
UGC NET - Management 2nd Paper
UGC NET - Commerce Paper 2

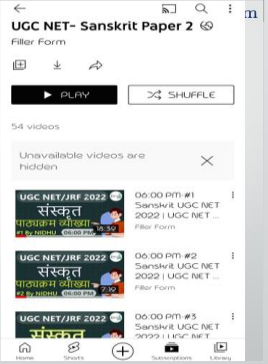
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos

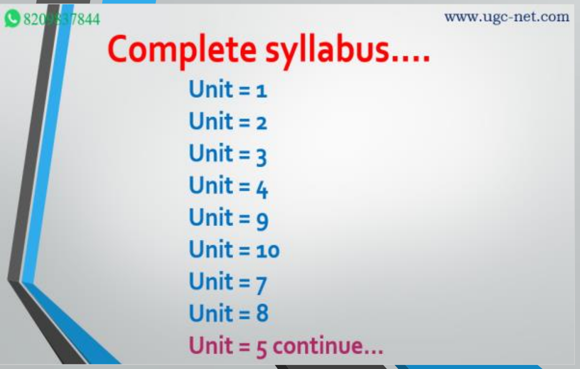
www.ugc-net.com
Complete syllabus....
Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7
Unit = 8
Unit = 5 continue...

www.ugc-net.com
We want JRF
JRF का जलवा
We want JRF

UGC NET Giveaway
Free Smart Watch
MAY
22
Apply Now
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

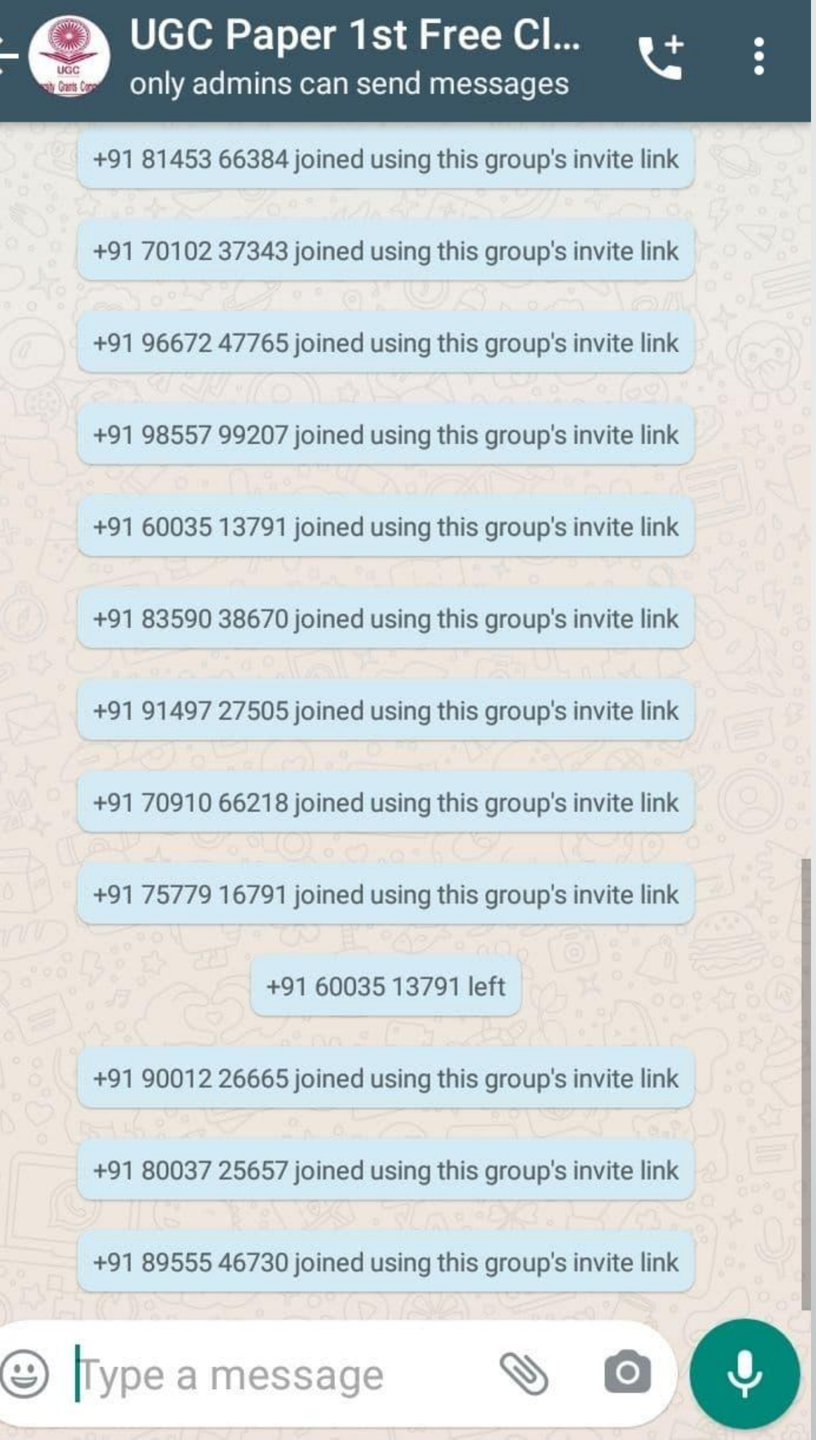
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

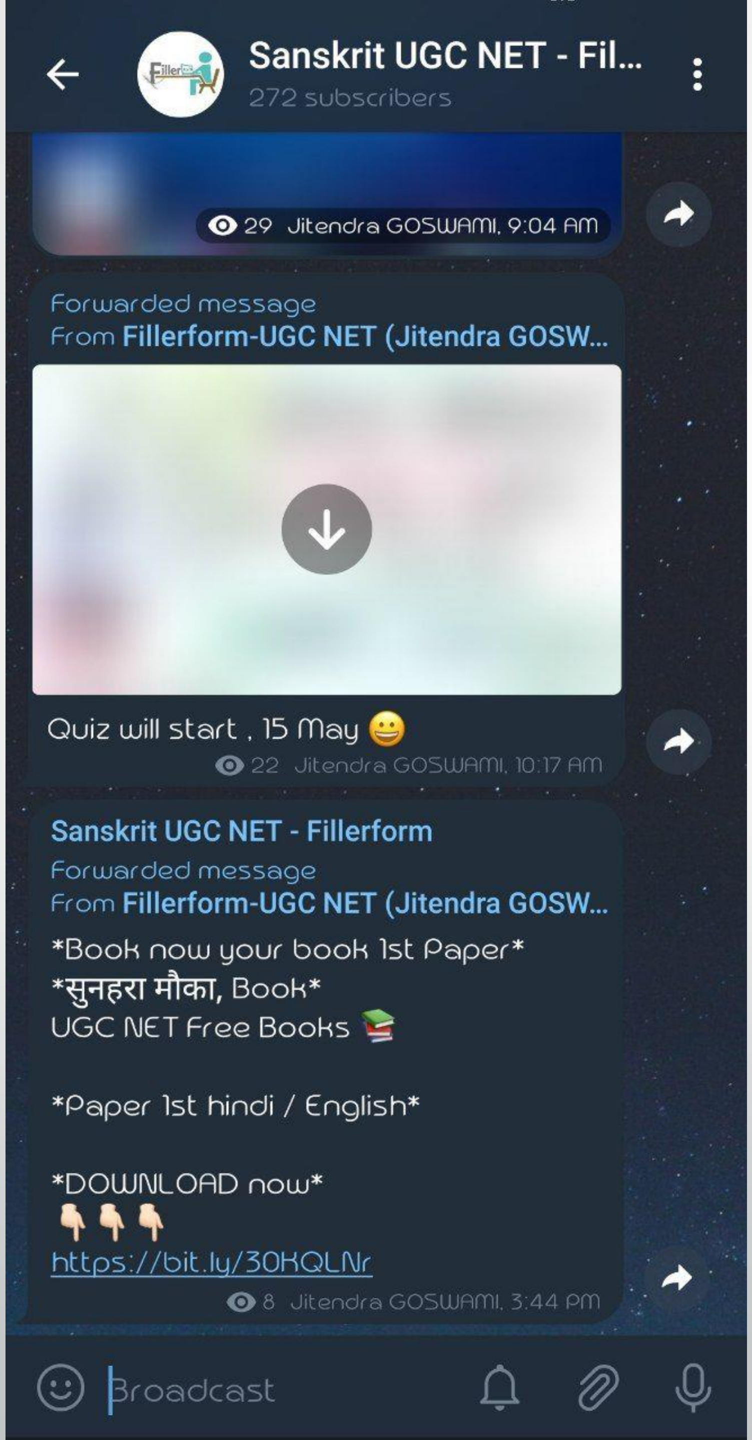
Sanskrit UGC NET - Fil...
272 subscribers
29 Jitendra GOSWAMI, 9:04 AM
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Quiz will start , 15 May 😀
22 Jitendra GOSWAMI, 10:17 AM
Sanskrit UGC NET - Fillerform
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/3OKQLNr
8 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Broadcast

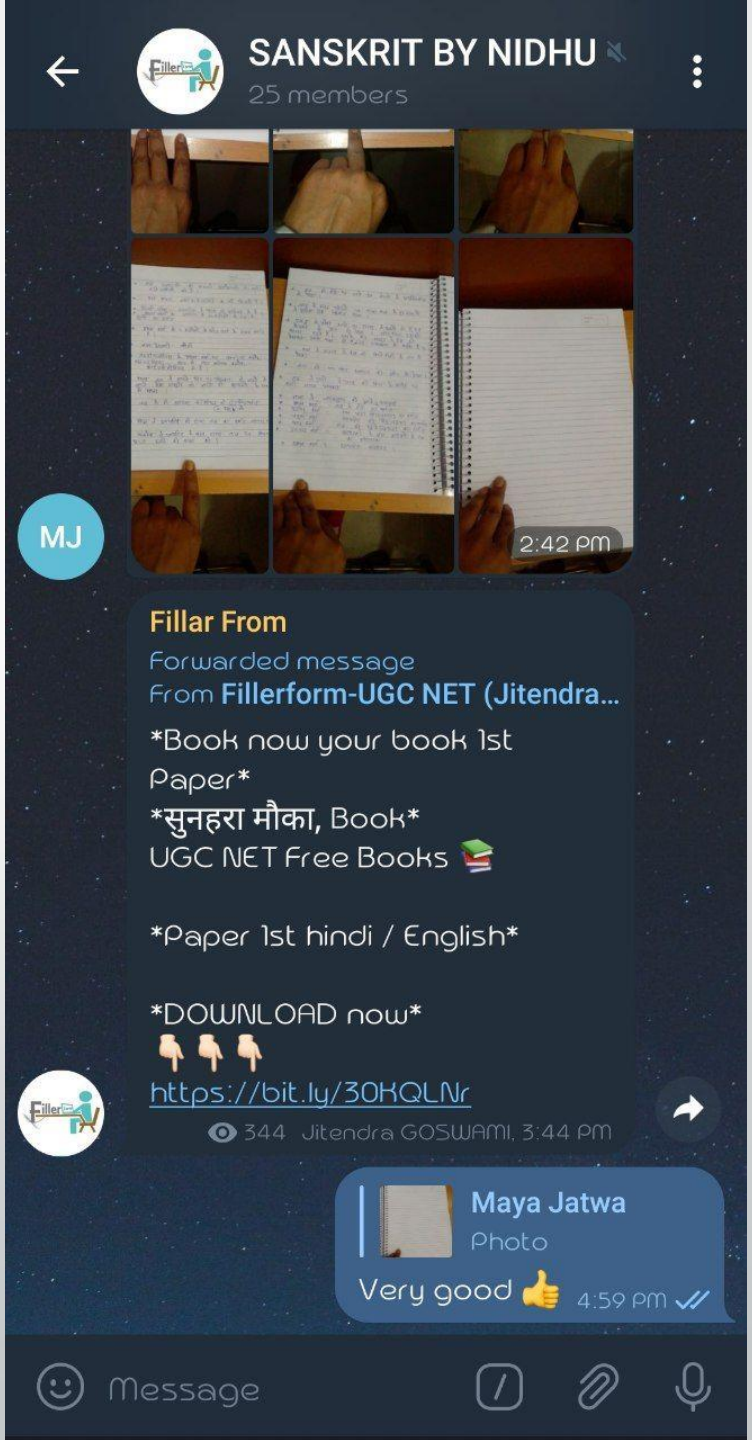
SANSKRIT BY NIDHU
25 members
MJ
2:42 PM
Fillar From
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/3OKQLNr
344 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Maya Jatwa
Photo
Very good 👍 4:59 PM
Message

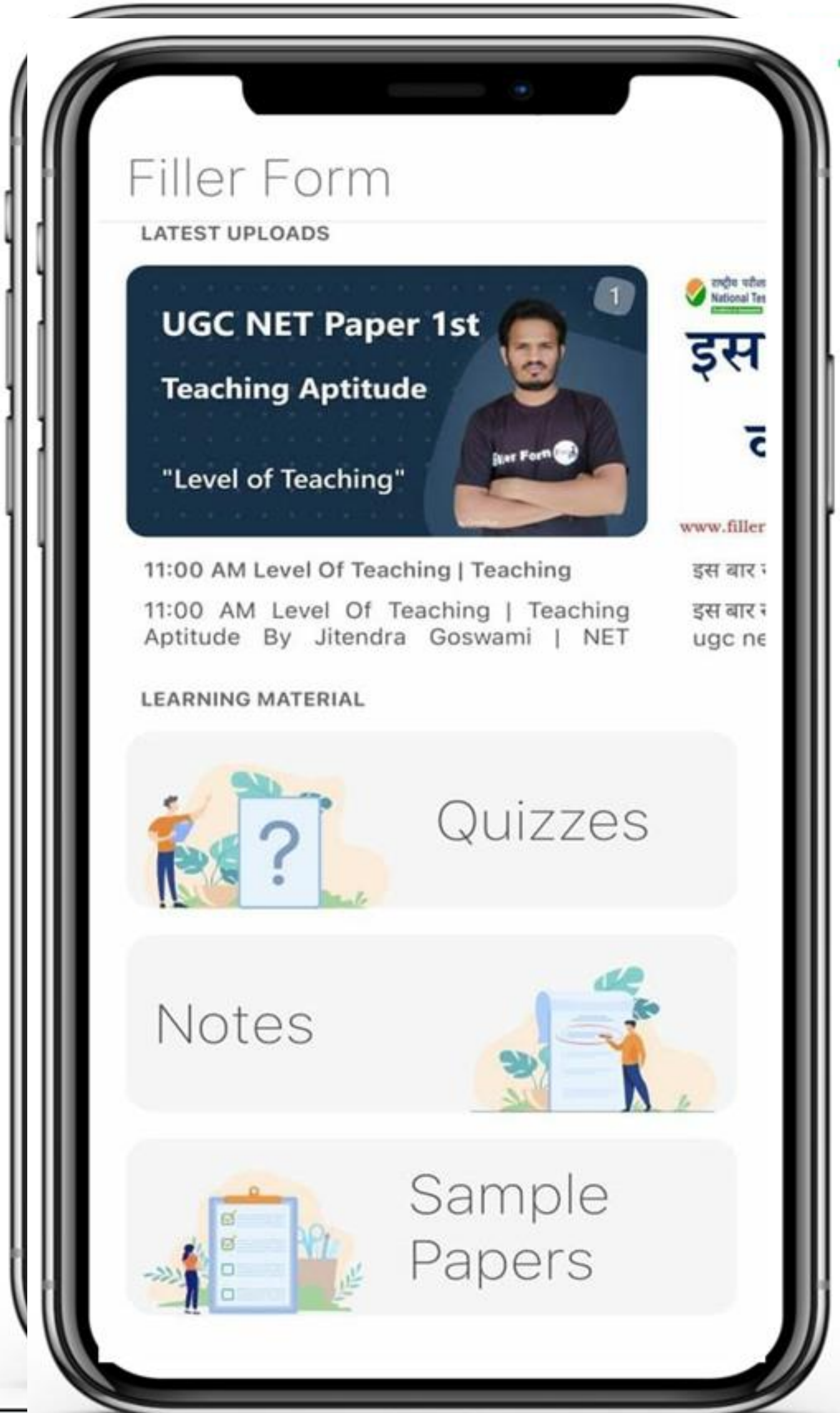

UGC NET 100% Off Free Class

- Free Notes
- Live Class
- 5000+MCQ+PYQ
- Free Books

100% OFF

fillerform

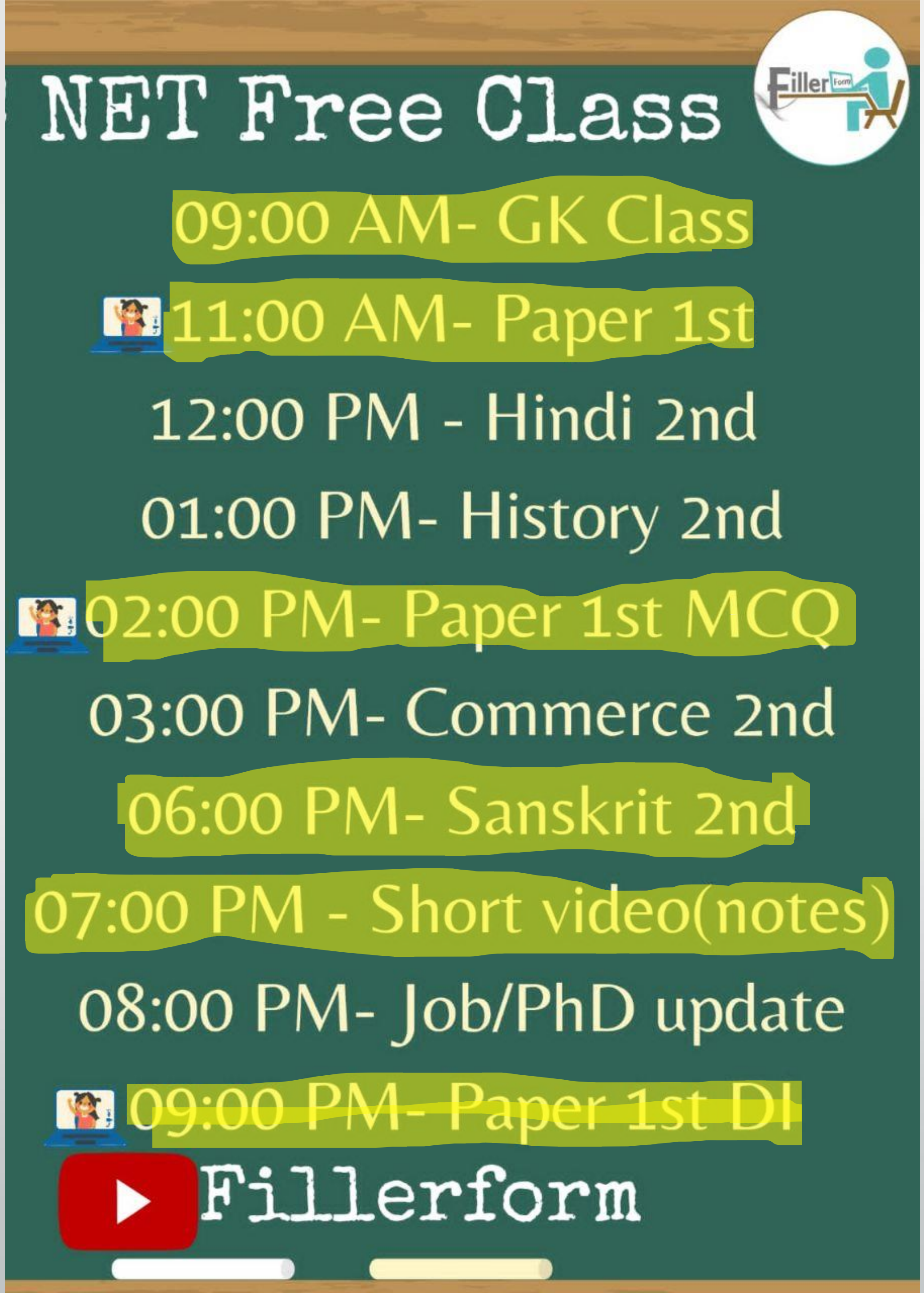
NET Free Class
Filler Form
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

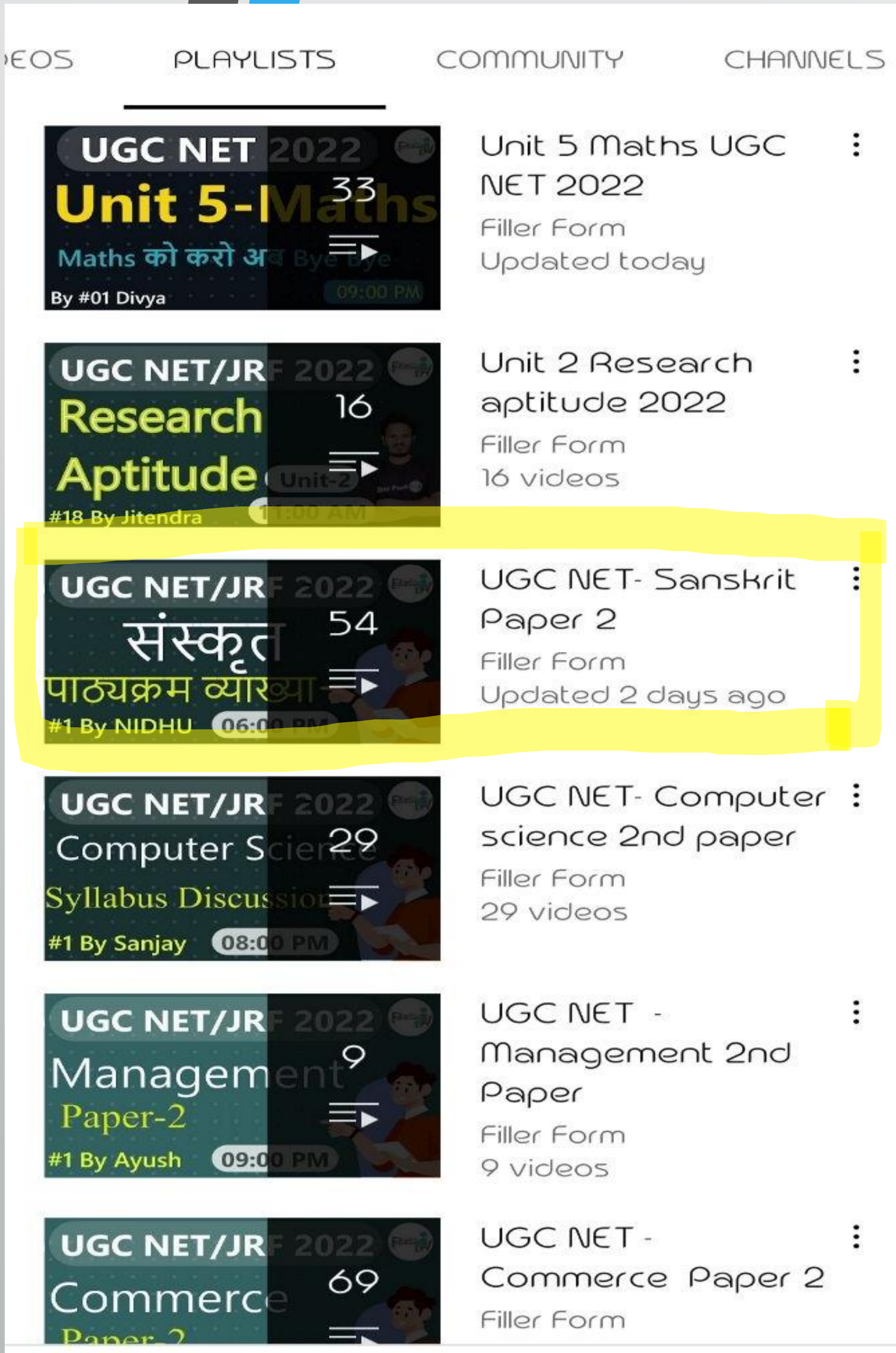
EOS
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
UGC NET 2022
Unit 5-Maths
Maths को करो अब Bye Bye
By #01 Divya
09:00 PM
33
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today
UGC NET/JRF 2022
Research Aptitude
Unit-2
#18 By Jitendra
11:00 AM
16
Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
54
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago
UGC NET/JRF 2022
Computer Science
Syllabus Discussion
#1 By Sanjay
08:00 PM
29
UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos
UGC NET/JRF 2022
Management
Paper-2
#1 By Ayush
09:00 PM
9
UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos
UGC NET/JRF 2022
Commerce
69
UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

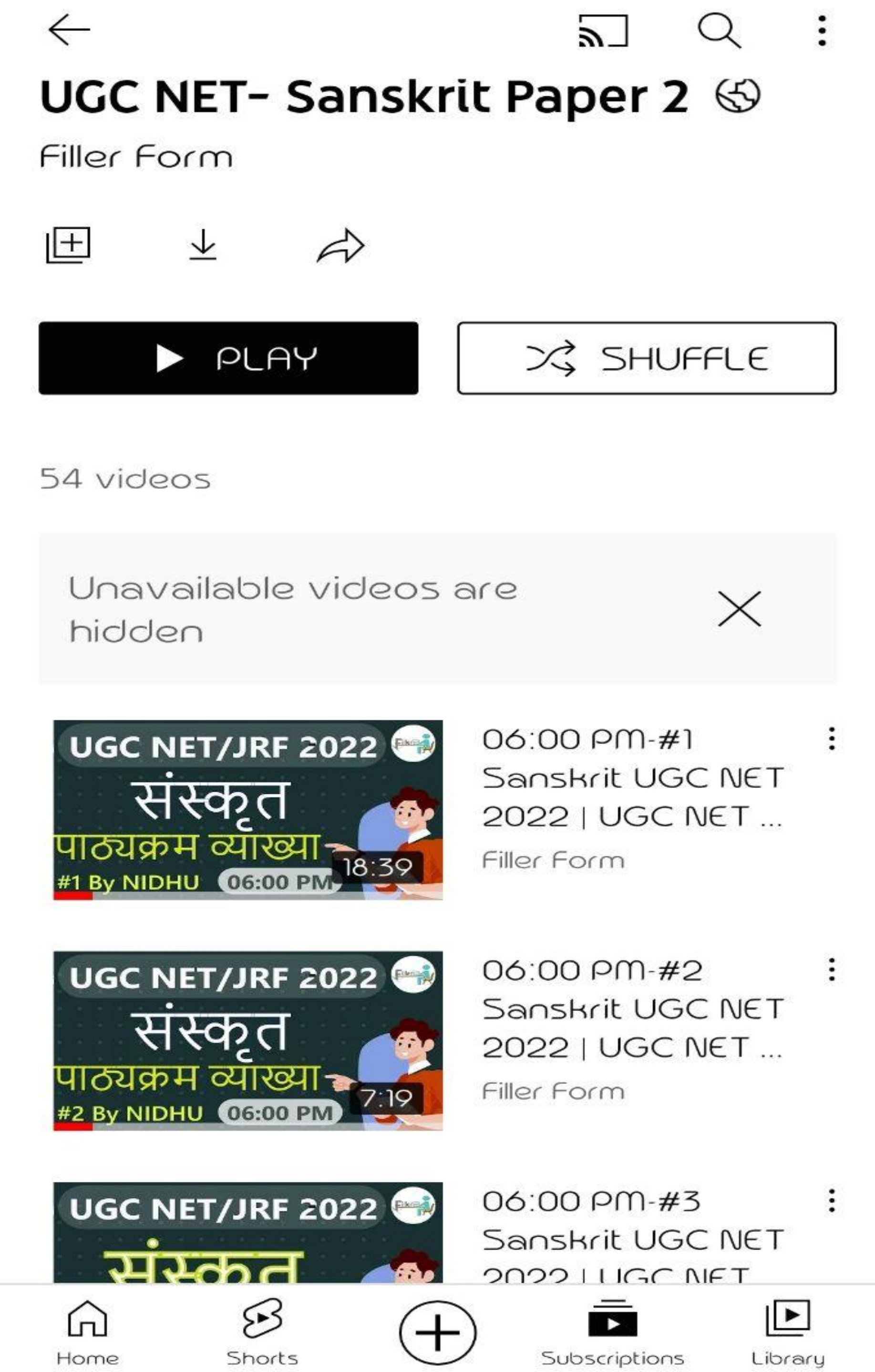
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
18:39
06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#2 By NIDHU
06:00 PM
7:19
06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET
Home
Shorts
Subscriptions
Library

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

Free Smart Watch

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

We want JRF

🎯JRF का जलवा 🔥 🏆

We want JRF

8209837844

www.ugc-net.com

Complete syllabus....

Unit = 1

Unit = 2

Unit = 3

Unit = 4

Unit = 9

Unit = 10

Unit = 7

Unit = 8

Unit = 5 continue...

Today's Topic....

ईकाई-5

॥व्याकरण एवं भाषाविज्ञान॥

8209837844

.ugc-net.com

7. नागेशभट्ट (सत्रहवीं शताब्दी)

नागेश भट्ट (1673 - 1743) अठारवीं सदी के पूर्वार्द्ध । इनकें **पिता का नाम**- शिवभट्ट तथा **माता**- सती देवी और **गुरू का नाम**- हरिदीक्षित था । नागेश **महाराष्ट्रीय ब्राह्मण** थे । प्रयाग के समीपस्थ श्रृंगवेरपुर के राजा **रामसिंह** से ये सम्मानित हुए । नागेश व्याकरण के अतिरिक्त साहित्य शास्त्र, योगशास्त्र, धर्मशास्त्र आदि के भी विद्वान थे । इन्होंने व्याकरण ग्रन्थों पर कई टीकाऐं लिखी जिनमें- **लघुशब्देन्दुशेखर**(सिद्धान्तकौमुदी की टीका), **वैयाकरणसिद्धान्तमंजूषा, परिभाशेन्दुशेखर,** बहुत प्रसिद्ध है । इनके उपर तात्विक दृष्टि से तन्त्रसार का अधिक प्रभाव पडा है । व्याकरण को नव्यन्याय और तार्किकता के साथ समन्वित करने का आरम्भ नागेश भट्ट ने किया । अपने गुरू **हरिदीक्षित** से इन्होंने 18 बार व्याकरण का अध्ययन किया।

नागेशभट्ट की रचनाऐं-

1. लघुशब्देन्दुशेखर
2. वैयाकरणसिद्धन्तमञ्जूषा
3. परिभाशेन्दुशेखर
4. उद्योत टीका
5. लघुमञ्जूषा
6. परमलघुमञ्जूषा
7. स्फोटवाद
8. महाभाष्य-प्रत्याख्यान-सङ्ग्रह
9. बृहच्छब्देन्दुशेखर
10. रसमञ्जरी टीका

8209837844

www.ugc-net.com

8. जैनेन्द्रव्याकरण (छठी शताब्दी)

जैनेन्द्र व्याकरण, दिगम्बर सम्प्रदाय जैन **आचार्य देवनन्दी** की रचना है। इस पर **अभयनन्दी** की वृत्ति प्रसिद्ध है। उदाहरण में जैन संप्रदाय के शब्द मिलते हैं। जैनेन्द्र व्याकरण परम्परा के उपलब्ध समस्त व्याकरणों में सबसे प्राचीन है । **देवनन्दी पूज्यपाद** का जैनेन्द्र व्याकरण है । इस व्याकरण का आधार पाणिनि व्याकरण, और चान्द्रव्याकरण है । **'जिनेन्द्रेण प्रोक्तं जैनेन्द्रम्'** । इसमें सबसे प्राचीन आचार्यों का उल्लेख है । **चन्द्रय्य कवि** ने कन्नड़ भाषा में **पूज्यपाद** का जीवनचरित लिखा । **पिता-** माधवभट्ट, **माता-** श्रीदेवी **ग्राम-** कोले कर्नाटक । **गणरत्नमहोदधि** के कर्ता **वर्धमान** ने इन्हें **दिग्वस्त्र** के नाम से स्मरण किया है । इन्होंने एकशेषप्रकरणरहित व्याकरण की रचना सर्वप्रथम की थी – **'देवोपग्यमेकशेषव्याकरणम्'** ।

- जैनेन्द्रव्याकरण को **पञ्चाध्यायी** कहा जाता है ।
- पूज्यपाद का शिष्य- **दुर्विनीत** ।

8209837844 www.ugc-net.com

9. कैय्यट (12 वीं शताब्दी)

कैयट पतंजलि के व्याकरण महाभाष्य की **'प्रदीप'** नामक टीका के रचयिता। **देवीशतक** के व्याख्याकार कैयट इनसे भिन्न है। उनके पिता का नाम **जैयटोपाध्याय** था। अनुमान है कि वे **कश्मीर** निवासी थे। पीटर्सन ने कश्मीर की रिपोर्ट में कैयट (और उव्वट) को काव्यप्रकाशकार

मम्मट का भाई और **जैयट** का पुत्र कहा है। यजुर्वेदभाष्य पुष्पिका में **औवट** (या उव्वट) के पिता का नाम **वज्रट** कहा गया है।

काश्मीरी ब्राह्मणपंडितों के बीच प्रचलित अनुश्रुति के अनुसार कैयट **पामपुर (या येच)** गाँव के निवासी थे। महाभाष्यांत पाणिनि व्याकरण को वे कंठस्थ ही पढ़ाया करते थे। आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण

820983784

ugc-net.com

उदरपोषण के लिये उन्हें कृषि आदि शरीरश्रम करना पड़ता था। एक बार दक्षिण देश से कश्मीर आए हुए पंडित कृष्ण भट्ट ने कश्मीरराज से मिलकर तथा अन्य प्रयत्नों द्वारा कैयट के लिए एक गाँव का शासन और धनधान्य संग्रह किया और उसे लेकर जब वे उसे समर्पित करने उनके यहाँ पहुँचे तो उन्होने भिक्षा दान ग्रहण करना अस्वीकार कर दिया। वे कश्मीर से पैदल काशी आए और शास्त्रार्थ मे अनेक पंडितों को हराया। वहीं **प्रदीप** की रचना हुई। इस टीकाग्रंथ के संबंध में उन्होने लिखा है कि उसका आधार भर्तृहरि (वाक्यपदीयकार) की भाष्यटीका है जो अब पूर्णरूप से अप्राप्य है)। प्रदीप में स्थान स्थान पर पतंजलि और भर्तृहरि के स्फोटवाद का अच्छा दार्शनिक विवेचन हुआ है।

कैय्यट की रचनाऐं- प्रदीप

820983784 ugc-net.com

10. शाकटायन (8 वीं शताब्दी ईसापूर्व)

शाकटायन नाम के दो व्यक्ति हुए हैं, एक वैदिक काल के अन्तिम चरण के वैयाकरण, तथा दूसरे 9वीं शताब्दी के **अमोघवर्ष नृपतुंग** के शासनकाल के वैयाकरण। वैदिक काल के अन्तिम चरण (8वीं ईसापूर्व) के शाकटायन, संस्कृत व्याकरण के रचयिता हैं। उनकी कृतियाँ अब उपलब्ध नहीं हैं किन्तु यास्क, पाणिनि एवं अन्य संस्कृत वैयाकरणों ने उनके विचारों का सन्दर्भ दिया है। इस बात के प्रमाण हैं कि प्राचीन जैन व्याकरण पाणिनी की अष्टाध्यायी से पहले अस्तित्व में है। इस पुस्तक में पाणिनि ने कई प्रसिद्ध व्याकरणों का उल्लेख किया है जो अतीत में अस्तित्व में था। ऐसा ही एक लेखक था शाकटायन आचार्य जिनकी पुस्तक प्रार्थना से शुरू होती है, जो स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि वह जैन आदेश के थे।

8209837844 www.ugc-net.com

शाकटायन ने **तीर्थंकर महावीर** को श्रद्धांजलि देकर अपना काम शुरू किया था। शाकटायन का विचार था कि सभी संज्ञा शब्द अन्ततः किसी न किसी धातु से व्युत्पन्न हैं। संस्कृत व्याकरण में यह प्रक्रिया कृत-प्रत्यय के रूप में उपस्थित है। पाणिनि ने इस मत को स्वीकार किया किंतु इस विषय में कोई आग्रह नहीं रखा और यह भी कहा कि बहुत से शब्द ऐसे भी हैं जो लोक की बोलचाल में आ गए हैं और उनसे धातु प्रत्यय की पकड़ नहीं की जा सकती। शाकटायन द्वारा रचित व्याकरण शास्त्र **'लक्षण शास्त्र'** हो सकता है, जिसमें उन्होंने भी चेतन और अचेतन निर्माण में व्याकरण लिंग निर्धारण की प्रक्रिया का वर्णन किया था।

8209837844 .ugc-net.com

11. हेमचन्द्रसूरि (12वीं शताब्दी)

आचार्य हेमचन्द्र (1145-1229) वि. सं. 12वीं सदी का अन्तिम दशक के समय के थे। ये महान गुरु, समाज-सुधारक, धर्माचार्य, गणितज्ञ एवं अद्भुत प्रतिभाशाली मनीषी थे। संस्कृत एवं प्राकृत पर उनका समान अधिकार था। संस्कृत के मध्यकालीन कोशकारों में हेमचन्द्र का नाम विशेष महत्व रखता है। वे महापण्डित थे और **'कलिकालसर्वज्ञ'** कहे जाते थे। इनके द्वारा रचित व्याकरण **सिद्धहेमशब्दानुशासन** हैं। वे कवि थे, व्याकरण के विद्वान थे, काव्यशास्त्र के आचार्य थे, योगशास्त्रमर्मज्ञ थे, जैनधर्म और दर्शन के प्रकाण्ड विद्वान् थे,टीकाकार थे और महान कोशकार भी थे। इनके व्याकरण में 3566 सूत्र हैं। जिनकी केवल लौकिक शब्द सिद्धि है। प्रारम्भिक 7 अध्यायों के 28 पादों में संस्कृतव्याकरण हैं।

8209837 gc-net.com

जीवनवृत्त- आचार्य हेमचंद्र का जन्म **गुजरात** में **अहमदाबाद** से 100 किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम स्थित **धंधुका नगर** में विक्रम संवत 1145 के कार्तिकी पूर्णिमा की रात्रि में हुआ था। मातापिता शिवपार्वती उपासक **मोढ वंशीय वैश्य** थे। **पिता** का नाम **चाचिंग** माता का नाम **पाहिणी** देवी था। इनके बाल्यकाल का नाम **चांगदेव** था। इनके गुरु का नाम **चन्द्रदेवसूरी** (श्वेताम्बर सम्प्रदायान्तर्गत व्रजशाखा के आचार्य) था।

हेमचन्द्रसूरि की रचनाऐं-

व्याकरण ग्रन्थ-

1. सिद्धहेमशब्दानुशासन,
2. सिद्धहेमलिङ्गानुशासन
3. धातुपारायण,
4. 'शब्दानुशासन'

कोशग्रन्थ- आचार्य हेम ने संस्कृत में अनेक कोशों की रचना के साथ साथ प्राकृत-अपभ्रंश-कोश (**देशीनाममाला**) भी उन्होंने सम्पादित किया। उन्होने चार कोशों की रचना की-

1. अभिधानचिन्तामणीमाला,
2. अनेकार्थसङ्ग्रह,
3. निघण्टुशेष,
4. देशीनाममाला।

इनके द्वारा रचित '**काव्यानुशासन**' प्रायः संग्रह ग्रंथ है।

8209837844

www.ugc-net.com

12. **सारस्वतव्याकरण** (17 वीं शताब्दी)

इसको 17 वीं शताब्दी का माना जाता हैं। **रचयिता- अनुभूतिस्वरुपाचार्य,** इसमें मूल सूत्र- 700 हैं। इसके अनेक रुपान्तर है जिनमें रामाश्रम प्रणीत **सिद्धान्तचन्द्रिका** प्रमुख है । सिद्धान्तचन्द्रिका पर **लोकेश्वर तत्वदीपिका** टीका लिखी थी। **सदानन्द** ने इस पर **सुबोधिनि** टीका लिखी । 'पुंक्षु' प्रयोग का साधुत्व दिखाने की प्रतिज्ञा से विवश होकर आचार्य ने देवी की आराधना की और उनसे व्याकरण सूत्र प्राप्त किये । इस

820983 -net.com

व्याकरण पर जैनाचार्यों ने पच्चीस टीकाएें लिखी। जिनमें से कुछ का संक्षिप्त परिचय निम्नोक्त है-

सुबोधिनि	-	आचार्य चन्द्रकीर्ति सूरी ।
क्रिया चन्द्रिका	-	खरतरगच्छीय गुणरत्न ।
दीपिका	-	मेघरत्न ।
धातुतरंगिणी	-	हर्षकीर्ति सूरि ।
रुपरत्नमाला	-	नयसुन्दर ।
विद्वत्चिन्तामणि	-	विनयसागर सूरि ।
सारस्वतमण्डनम्	-	श्री मालज्ञातीयमन्त्री मण्डन ।
सिद्धान्तरत्नम्	-	जिनरत्न ।
सारस्वतवृत्तिः	-	तपागच्छीय उपाध्याय भानुचन्द्र ।

Next class....

॥पाणिनीयशिक्षा॥

WE WANT
YOUR
FEEDBACK

LIKE
& SHARE

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

8209837844 v.ugc-net.com

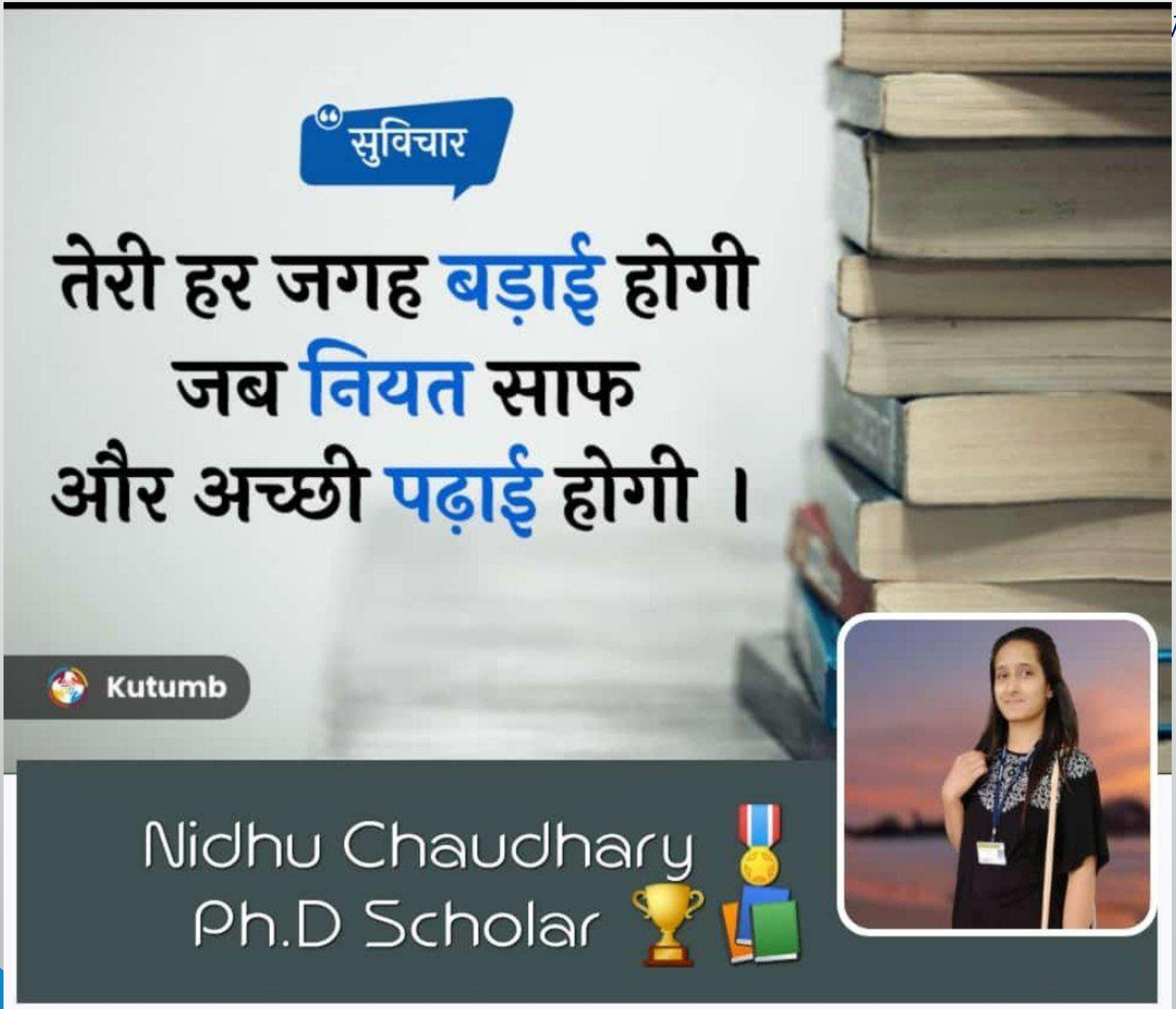

thank you